

Nº 852426

Himachal Government Judicial Paper

संख्या ४७
मामले की माफ
और सबखत
रजिस्ट्री की
और अन्य शुल्क
प्राप्त हुआ ता
14
न० दस्तावेज
दस्तावेज की
मूल्य
रजिस्ट्री फीस
फीस नकल
शब्द
होत अनुवाद
फीस कमीशन

जो कि भीमारी-चौड़े की भी आकाश का कोई न
तह, विधान विना विना हिमालय जेठ की है।

जो कि मेरी आयु 50 वर्ष का था 60 साल की हो चुकी
है 50 दिन का पापशुल का कोई मरणा नहीं कि कि
नस और कि जगह माल आरक्षी न पेश और
मुम को कि जायद में पिता की तरफ से जिमी हूई
है अपनी जायद की कसीयत काग-चाहती है। और
अपनी कसौती नाम 5 रुपये अकल लेता व हास
पदाया रुद्र किला किनी पका व फहरने के
मज्जीय तहरी ला कसीयत वाली और लिख रही है
कि माद कलात में भी विमल जायद पापशुल व
मोपापशुल व किता के माल को मेरी पिता की
विशाल में मोजा कोई देतह, विधान का कही
भी किसी भी दोगा मोजा में है या अकल, लगी
के मालिक सर्व भी मोजा पुकाश व मोजा वन और
मुमाव वन पुम भी मोजा माद का कोई देतह
विधान कहिरा का लोते। और के मे पात
की जायद माल को कसा में जिमी हूई है
मालिक सर्व भी हरी वन और शत वत व हर में विमान
और कहिरा का लोते। मे पुम ही में कि माल
व न के जिमे का लोते। और माद कलात में कि
लिखा पुम कसौतिक का मोजा माद माद विमान
और कसे के जिमे का लोते। मे पिता की जयद

ये मेरे पिता के अंग्रेजी में लिखे गए हैं जो कि जिला प्रशासन
 का मेरे पिता की जमानत से कोई लिखावट नहीं है।
 वही बात है। का लक्षण मेरे पिता के हाथ का है।
 अतः यह एक निष्कर्ष है कि वही वही बात
 के सन्दर्भ में है कि वही बात है।
 अतः दिनांक 26.12.90

मेरे पिता का नाम श्री
 जगदीश चन्द
 पत्नी श्रीमती श्रीमती

श्रीमती श्रीमती श्रीमती
 वही

मेरे पिता का नाम श्रीमती श्रीमती
 वही श्रीमती श्रीमती श्रीमती

श्रीमती श्रीमती श्रीमती

श्रीमती श्रीमती श्रीमती

